



Stock Market Study Material (...शेयर बाजार स्टडी मटेरियल...)

If you want to learn about the basics of stock material, then this pdf is available for free to download...

(यदि आप स्टॉक सामग्री की मूल बातें सीखना चाहते हैं, तो यह पीडीएफ मुफ्त डाउनलोड के लिए उपलब्ध है...)

... Learn about the Basics of Stock Market in India, today ...

... आज ही भारत में शेयर बाजार की मूल बातें जानें...

What you will learn?

शेयर बाजार की मूल बातें Basics of Stock Market	5
निवेश और निवेश की आवश्यकता Investment and Need of Investment .	6
निवेश कब शुरू करें? When to Start Investing?	7
निवेश कहां करें? Where to Invest?	8
अल्पकालिक और दीर्घकालिक निवेश विकल्प Short-Term and Long-Term Investment Options.....	8
बाजार में निवेश करने से पहले ध्यान रखने योग्य बातें Factors to Keep in Mind Before You Invest in Market.....	9
शेयर बाजार में व्यापार क्यों करें? Why Trade in Stock Market?.....	10
शेयर बाजार प्रणाली Stock Market System.....	11
प्राथमिक बाजार (Primary Market):.....	11
कंपनियों को जनता को शेयर जारी करने की आवश्यकता क्यों है? Why Companies need to issue shares to Public?.....	12
द्वितीयक बाज़ार (Secondary Market):	12
इक्विटी निवेश (Equity Investment):	13
निवेशकों के प्रकार (Types of Investors):	14
शेयर बाज़ार की शब्दावली (Stock Market Jargons):.....	16

Stock Market Study Material PDF | शेयर बाजार स्टडी मटेरियल PDF

शेयर बाजार में काम करना मुश्किल हो सकता है, खासकर शुरुआती लोगों के लिए। इसलिए सही **स्टॉक अध्ययन सामग्री** का होना ज़रूरी है।

अगर आप शेयर ट्रेडिंग की पेचीदगियों को समझना चाहते हैं, तो हमारा **stock market study material pdf free download** आपको शुरू करने के लिए एक आदर्श संसाधन है।

यह व्यापक गाइड शेयर बाजार में अपनी यात्रा शुरू करने के लिए आपको जो कुछ भी जानना चाहिए, उसे कवर करता है।

शेयर बाजार को समझना सिर्फ शेयर खरीदने और बेचने के बारे में नहीं है; यह सीखना है कि **बाजार कैसे काम करता है**, विभिन्न प्रकार के शेयर और शेयर की कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक क्या हैं।

हमारी अध्ययन सामग्री इन जटिल अवधारणाओं को सरल, समझने में आसान पाठों में तोड़ने के लिए डिज़ाइन की गई है। स्पष्ट व्याख्याओं और वास्तविक दुनिया के उदाहरणों के साथ, आप **शेयर ट्रेडिंग** की ज़रूरी बातों को समझ पाएँगे।

जो लोग अपनी मूल भाषा में सीखना पसंद करते हैं, उनके लिए हम हिंदी में एक संस्करण भी पेश करते हैं, जिसका शीर्षक **शेयर बाजार स्टडी मटेरियल PDF** है।

यह सुनिश्चित करता है कि भाषा मूल्यवान ज्ञान प्राप्त करने में बाधा नहीं है। चाहे आप छात्र हों, पेशेवर हों और अपने निवेश में विविधता लाना चाहते हों या **शेयर बाजार के बारे में जानने** के लिए उत्सुक हों, हमारी सामग्री सभी स्तरों की समझ को पूरा करती है।

आपके सीखने के अनुभव को और भी सुविधाजनक बनाने के लिए, हमारी **अध्ययन सामग्री मुफ्त डाउनलोड** के लिए उपलब्ध है। आप उन्हें कभी भी, कहीं भी एक्सेस कर सकते हैं और अपनी गति से सीख सकते हैं।

हमारा मानना है कि हर किसी को **शेयर बाजार के बारे में जानने** और सूचित वित्तीय निर्णय लेने का अवसर मिलना चाहिए, और हमारा मुफ्त पीडीएफ इसे संभव बनाने की दिशा में एक कदम है।

शेयर बाजार की मूल बातें | Basics of Stock Market

शेयर बाज़ार एक ऐसी जगह है जहाँ लोग **कंपनियों के शेयर खरीदते और बेचते** हैं। ये शेयर कंपनी में एक छोटे से स्वामित्व का प्रतिनिधित्व करते हैं। जब आप कोई शेयर खरीदते हैं, तो आप उस कंपनी के सह-स्वामी बन जाते हैं।

इन **शेयरों की कीमत** इस आधार पर बढ़ या घट सकती है कि कंपनी कितना अच्छा प्रदर्शन कर रही है और लोग **कंपनी के भविष्य के बारे** में कैसा महसूस करते हैं। शेयर बाज़ार की मूल बातें सीखने से आपको यह समझने में मदद मिलती है कि समय के साथ **आपके निवेश कैसे बढ़ सकते हैं**।

स्टॉक एक्सचेंजों पर स्टॉक खरीदे और बेचे जाते हैं, जैसे बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (**BSE**) या नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (**NSE**)। ये एक्सचेंज बाज़ार की तरह होते हैं जहाँ खरीदार और विक्रेता **शेयरों का व्यापार** करने के लिए मिलते हैं।

किसी कंपनी के स्टॉक का मूल्य उसके वित्तीय स्वास्थ्य, उद्योग प्रदर्शन और व्यापक आर्थिक स्थितियों सहित विभिन्न कारकों से प्रभावित होता

है। यह जानना कि ये कारक **स्टॉक की कीमतों** को कैसे प्रभावित करते हैं, आपको बेहतर **निवेश निर्णय** लेने में मदद कर सकता है।

शेयर बाजार में निवेश करना धन बनाने का एक शानदार तरीका हो सकता है, लेकिन इसमें जोखिम भी शामिल है। यह महत्वपूर्ण है कि आप अपना शोध करें और समझें कि आप किसमें निवेश कर रहे हैं।

अपने निवेश में विविधता लाने या अपने पैसे को अलग-अलग स्टॉक और अन्य प्रकार के निवेशों में फैलाने से जोखिम कम करने में मदद मिल सकती है।

बुनियादी बातों से शुरुआत करके और धीरे-धीरे अपने ज्ञान का निर्माण करके, आप अधिक आत्मविश्वासी और सफल निवेशक बन सकते हैं।

निवेश और निवेश की आवश्यकता |

Investment and Need of Investment

आप जो पैसा कमाते हैं, उसका कुछ हिस्सा आपकी दैनिक ज़रूरतों पर खर्च होता है और बाकी पैसा भविष्य के खर्चों के लिए बचाकर रखा जाता है।

अपनी बचत को बेकार पड़े रहने देने के बजाय, आप उसका इस्तेमाल **रिटर्न कमाने के लिए** कर सकते हैं। इस प्रक्रिया को निवेश कहते हैं।

निवेश कई कारणों से महत्वपूर्ण है:

- अपने द्वारा बचाए गए पैसे पर रिटर्न कमाने के लिए।
- जीवन में किसी खास लक्ष्य के लिए एक निश्चित राशि जमा करने के लिए।
- अनिश्चित भविष्य के लिए तैयारी करने और वित्तीय सुरक्षा पाने के लिए।

निवेश कब शुरू करें? | When to Start Investing?

जितना जल्दी हो सके **निवेश शुरू करना** बेहतर है। जब आप जल्दी निवेश करते हैं, तो आप अपने पैसे को बढ़ने के लिए ज़्यादा समय देते हैं। इसका मतलब है कि आपके **निवेश का मूल्य समय** के साथ बढ़ सकता है, जिससे साल दर साल रिटर्न बढ़ता रहेगा।

सभी निवेशकों के लिए यहाँ तीन सुनहरे नियम दिए गए हैं:

- जल्दी निवेश शुरू करें।
- नियमित रूप से निवेश करें।
- अल्पकालिक लाभ के बजाय दीर्घकालिक निवेश पर ध्यान दें।

निवेश कहां करें? | Where to Invest?

आप इनमें निवेश कर सकते हैं:

- **भौतिक संपत्तियाँ (Physical Assets)** जैसे रियल एस्टेट, सोना, आभूषण और कमोडिटीज़।
- **वित्तीय संपत्तियाँ (Financial Assets)** जैसे बैंक सावधि जमा, डाकघरों से छोटी बचत के साधन, बीमा, भविष्य निधि, पेंशन फंड या शेयर, बॉन्ड और डिबेंचर जैसी प्रतिभूतियाँ।

अल्पकालिक और दीर्घकालिक निवेश विकल्प | Short-Term and Long-Term Investment Options

अल्पकालिक निवेश के लिए, आप इस पर विचार कर सकते हैं:

For short-term investments:

- बचत बैंक खाते
- मनी मार्केट या लिक्विड फंड
- बैंकों में सावधि जमा

For Long-term investments:

दीर्घकालिक निवेश के लिए, विकल्पों में शामिल हैं:

- डाकघर बचत
- सार्वजनिक भविष्य निधि
- बॉन्ड
- म्यूचुअल फंड

बाजार में निवेश करने से पहले ध्यान रखने योग्य बातें | Factors to Keep in Mind Before You Invest in Market

निवेश करने से पहले, शेयर बाजार की मूल बातें सीखना एक अच्छा विचार है। हमने **शेयर बाजार की बुनियादी बातों** को समझने में आपकी मदद करने के लिए लेख और ट्यूटोरियल तैयार किए हैं।

आपको व्यापारियों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले **सामान्य शेयर बाजार** शब्दों और शब्दावली की व्याख्या भी मिलेगी।

चाहे आप बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (BSE), नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE), लंदन स्टॉक एक्सचेंज (LSE) या न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज (NYSE) के साथ काम कर रहे हों, ट्रेडिंग शब्द आम तौर पर समान होते हैं।

शेयर बाजार में व्यापार क्यों करें? | Why Trade in Stock Market?

- निवेश शुरू करने के लिए आपको बहुत ज़्यादा पैसे की ज़रूरत नहीं होती, जबकि प्रॉपर्टी खरीदने के लिए आपको हर महीने गिरवी रखना पड़ता है।
- पारंपरिक व्यवसाय बनाने की तुलना में स्टॉक ट्रेडिंग में बहुत कम समय लगता है।
- स्टॉक में तुरंत नकदी मिलती है और यह किसी **प्रॉपर्टी या व्यवसाय** को बेचने के विपरीत आसान लिक्विडेशन है।
- शेयर बाज़ार से मुनाफ़ा कमाना सीखना अपेक्षाकृत आसान है।

हालाँकि, आपको मूल बातों की स्पष्ट समझ होनी चाहिए। इस ज्ञान के बिना, आप अपना समय बर्बाद करने और पैसे खोने का जोखिम उठाते हैं।

निवेश, स्टॉक विकल्प, स्टॉक ट्रेडिंग, कंपनियों, शेयरों, लाभांश, शेयरों के प्रकार, डिबेंचर, प्रतिभूतियाँ, म्यूचुअल फंड, आईपीओ, वायदा और विकल्प, शेयर बाज़ार की संरचना, एक्सचेंज, सूचकांक, सेबी, स्टॉक विश्लेषण, ट्रेडिंग शब्द (जैसे लिमिट ऑर्डर, स्टॉप लॉस, पुट, कॉल,

बुकिंग प्रॉफ़िट और लॉस, शॉर्ट और लॉन्ग पोज़िशन) और ब्रोकरेज हाउस के ज़रिए ऑप्शन ट्रेडिंग के हर पहलू को समझना ज़रूरी है।

शेयर बाजार प्रणाली | Stock Market System

प्राथमिक बाजार (Primary Market):

- शेयर बाजार (Stock Market) एक द्वितीयक बाजार है
- सूचीबद्ध निगमों के लिए स्टॉक का व्यापार
- शेयर बाजार का प्रगतिशील विकास

प्राथमिक बाजार (Primary Market):

- प्राथमिक बाजार वह जगह है जहाँ नई प्रतिभूतियाँ बेची जाती हैं। यह कंपनियों और सरकार को निवेश के लिए धन जुटाने या दायित्वों का भुगतान करने का एक तरीका देता है।
- ये प्रतिभूतियाँ उनके अंकित मूल्य पर, या छूट या प्रीमियम पर जारी की जा सकती हैं, और वे इक्विटी या ऋण जैसे विभिन्न रूपों में आ सकती हैं। प्रतिभूतियों को घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों बाजारों में बेचा जा सकता है।

कंपनियों को जनता को शेयर जारी करने की आवश्यकता क्यों है? | Why Companies need to issue shares to Public?

- अधिकांश कंपनियाँ अपने प्रमोटरों से फंडिंग लेकर निजी तौर पर शुरुआत करती हैं। हालाँकि, प्रमोटरों की पूंजी और बैंकों से लिए गए ऋण लंबे समय तक व्यवसाय को बनाए रखने या बढ़ाने के लिए पर्याप्त नहीं हो सकते हैं। अधिक धन जुटाने के लिए, कंपनियाँ शेयर जारी करके जनता को अपनी इक्विटी में निवेश करने के लिए आमंत्रित करती हैं।
- जनता से धन जुटाने की इस प्रक्रिया को 'पब्लिक इश्यू' कहा जाता है। सरल शब्दों में, पब्लिक इश्यू जनता को कंपनी में शेयर खरीदने का प्रस्ताव है। जनता द्वारा सब्सक्राइब करने के बाद, कंपनी SEBI द्वारा निर्धारित नियमों और विनियमों के अनुसार निवेशकों को शेयर आवंटित करती है।

द्वितीयक बाज़ार (Secondary Market):

द्वितीयक बाजार वह जगह है जहाँ प्रतिभूतियों का कारोबार तब होता है जब उन्हें **प्राथमिक बाजार** में जनता के लिए शुरू में पेश किया जाता है या स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध किया जाता है। ज़्यादातर कारोबार

द्वितीयक बाजार में होता है, जिसमें इक्विटी बाजार और ऋण बाजार दोनों शामिल हैं।

प्राथमिक और द्वितीयक बाजारों में मुख्य अंतर हैं:

- प्राथमिक बाजार में, प्रतिभूतियों को पहली बार पूंजी या धन जुटाने के लिए जनता के सामने पेश किया जाता है।
- द्वितीयक बाजार वह जगह है जहाँ निवेशकों के बीच पहले से मौजूद या पहले से जारी प्रतिभूतियों का कारोबार होता है।

इक्विटी निवेश (Equity Investment):

- जब आप किसी कंपनी का शेयर खरीदते हैं, तो आप शेयरधारक बन जाते हैं। शेयर, जिन्हें इक्विटी भी कहा जाता है, में समय के साथ मूल्य में वृद्धि की क्षमता होती है और यह आपके निवेश पोर्टफोलियो को आपके दीर्घकालिक लक्ष्यों को पूरा करने के लिए बढ़ने में मदद कर सकता है।
- शोध से पता चला है कि लंबी अवधि में, इक्विटी ने अधिकांश अन्य प्रकार के निवेशों से बेहतर प्रदर्शन किया है।
- अन्य निवेश विकल्पों की तुलना में इक्विटी को सबसे चुनौतीपूर्ण और फायदेमंद दोनों माना जाता है। अध्ययनों से पता चला है कि

कुछ शेयरों को लंबी अवधि के लिए रखने पर, अन्य निवेशों की तुलना में बहुत अधिक रिटर्न मिला है।

- हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि सभी इक्विटी निवेश उच्च रिटर्न देंगे। इक्विटी उच्च जोखिम वाले निवेश हैं, इसलिए निवेश करने से पहले उनका सावधानीपूर्वक अध्ययन करना महत्वपूर्ण है।

निवेशकों के प्रकार (Types of Investors):

- सट्टेबाज (Speculators)
- हेजर्स (Hedgers)
- आर्बिट्रजर्स (Arbitragers)

सट्टेबाज (Speculators):

सट्टेबाज ऐसे निवेशक होते हैं जो भविष्य में स्टॉक या अन्य परिसंपत्तियों के मूल्य आंदोलनों की भविष्यवाणी करके लाभ कमाने की कोशिश करते हैं।

वे उच्च रिटर्न कमाने की उम्मीद में अधिक जोखिम उठाते हैं। दीर्घकालिक निवेशकों के विपरीत, सट्टेबाज अक्सर अल्पकालिक मूल्य परिवर्तनों का लाभ उठाने के लिए जल्दी से खरीदते और बेचते हैं।

हेजर्स (Hedgers):

दूसरी ओर, हेजर्स का उद्देश्य बाजार में संभावित नुकसान से खुद को बचाना होता है। वे ऐसे तरीकों से निवेश करते हैं जो उनके मुख्य निवेश के जोखिम को कम करते हैं।

उदाहरण के लिए, एक किसान फसलों के लिए कीमतों को लॉक करने के लिए हेजिंग का उपयोग कर सकता है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि बाजार की कीमतें गिरने पर उन्हें नुकसान न हो।

आर्बिट्रेजर्स (Arbitragers):

मध्यस्थ विभिन्न बाजारों में मूल्य अंतर का फायदा उठाकर जोखिम-मुक्त लाभ कमाने के अवसरों की तलाश करते हैं।

वे एक बाजार में एक परिसंपत्ति खरीदते हैं जहां कीमत कम होती है और इसे दूसरे बाजार में बेचते हैं जहां कीमत अधिक होती है। इससे बाजारों में कीमतों को अधिक संतुलित रखने में मदद मिलती है।

शेयर बाजार की शब्दावली (Stock Market Jargons):

यहां शेयर बाजार की कुछ शब्दावली दी गई है जिन्हें आपको जानना चाहिए: यहां **शेयर बाजार की कुछ शब्दावली** दी गई है जिन्हें आपको जानना चाहिए:

- बीएसई सेंसिटिव इंडेक्स या सेंसेक्स (BSE Sensitive Index or SENSEX)
- बुल मार्केट (Bull Market)
- बियर मार्केट (Bear Market)
- डिलीवरी (Delivery)
- इंट्राडे (Intraday)
- डीमटेरियलाइजेशन (Dematerialization)
- लॉन्ग बाय (Long Buy)
- शॉर्ट सेलिंग (Short Selling)
- स्टॉप लॉस (Stop Loss)
- पोर्टफोलियो (Portfolio)
- टिक साइज (Tick Size)
- एवरेजिंग (Averaging)
- बुकिंग प्रॉफिट या लॉस (Booking Profit or Loss)
- क्रैश - कर्सियट्स (Crash - Circuits)

- राइट इश्यू (Right Issue)
- स्टॉक बोनस (Stock bonus)
- स्टॉक स्प्लिट (Stock Split)
- एसएनपी सीएनएक्स निफ्टी 50 (SNP CNX NIFTY 50)
- निफ्टी सीएनएक्स 100 (Nifty CNX 100)
- निफ्टी जूनियर (Nifty Junior)
- फ्यूचर इंडेक्स (Future Index)
- फ्यूचर कॉन्ट्रैक्ट (Future Contract)
- मार्जिन (Margin)
- प्रीमियम (Premium)
- डिस्काउंट (Discount)
- मार्केट लॉट (Market lot)
- रोल ओवर (Roll over)
- ऑप्शन (Options)
- कॉल (Call)
- पुट (Put)
- लॉन्ग पोजीशन (Long Positions)
- शॉर्ट पोजीशन (Short positions)
- एक्सपायरी (Expiry)

बीएसई सेंसिटिव इंडेक्स या सेंसेक्स (BSE Sensitive Index or SENSEX):

सेंसेक्स एक शेयर बाजार सूचकांक है जो बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर सबसे बड़े और सबसे अधिक सक्रिय रूप से कारोबार किए जाने वाले 30 शेयरों के प्रदर्शन को मापता है। यह समग्र बाजार भावना को दर्शाता है और भारतीय शेयर बाजार के स्वास्थ्य का एक प्रमुख संकेतक है।

बुल मार्केट (Bull Market):

बुल मार्केट उस अवधि को संदर्भित करता है जब शेयर की कीमतें बढ़ रही होती हैं, और निवेशक भविष्य के बारे में आशावादी होते हैं। इससे अक्सर निवेशकों के लिए खरीदारी और अधिक रिटर्न में वृद्धि होती है।

बियर मार्केट (Bear Market):

बियर मार्केट तब होता है जब शेयर की कीमतें गिर रही होती हैं, और निवेशक अर्थव्यवस्था के बारे में निराशावादी होते हैं। इससे व्यापक बिक्री हो सकती है और निवेशकों के लिए कम रिटर्न हो सकता है।

डिलीवरी (Delivery):

शेयर ट्रेडिंग में, डिलीवरी का मतलब है ट्रेड पूरा होने के बाद विक्रेता के खाते से खरीदार के खाते में शेयरों का वास्तविक हस्तांतरण। यह आमतौर पर ट्रेड की तारीख के कुछ दिनों बाद होता है।

इंट्राडे (Intraday):

इंट्राडे ट्रेडिंग में एक ही ट्रेडिंग दिन के भीतर स्टॉक खरीदना और बेचना शामिल है। ट्रेडर्स का लक्ष्य अल्पकालिक मूल्य आंदोलनों से लाभ कमाना होता है और वे रात भर पोजीशन नहीं रखते हैं।

डीमटेरियलाइजेशन (Dematerialization):

डीमटेरियलाइजेशन भौतिक शेयर प्रमाणपत्रों को इलेक्ट्रॉनिक रूप में परिवर्तित करने की प्रक्रिया है। इससे शेयरों का व्यापार और प्रबंधन आसान और अधिक सुरक्षित हो जाता है।

लॉन्ग बाय (Long Buy):

लॉन्ग बाय तब होता है जब कोई निवेशक इस उम्मीद के साथ शेयर खरीदता है कि उनकी कीमत बढ़ेगी। निवेशक शेयरों को बाद में उच्च कीमत पर बेचने के लिए कुछ समय तक रखने की योजना बनाता है।

शॉर्ट सेलिंग (Short Selling):

शॉर्ट सेलिंग तब होती है जब कोई निवेशक शेयर उधार लेता है और उन्हें बाद में कम कीमत पर वापस खरीदने की उम्मीद में बेचता है। अगर कीमत गिरती है तो निवेशक को लाभ होता है लेकिन अगर कीमत बढ़ती है तो उसे नुकसान का जोखिम होता है।

स्टॉप लॉस (Stop Loss):

स्टॉप लॉस एक ब्रोकर के साथ एक ऑर्डर होता है, जब कोई सिक्योरिटी एक निश्चित कीमत पर पहुँचती है तो उसे बेचने के लिए। इससे निवेशकों को किसी विशेष निवेश पर अपने नुकसान को सीमित करने में मदद मिलती है।

पोर्टफोलियो (Portfolio):

पोर्टफोलियो निवेशों का एक संग्रह है, जैसे स्टॉक, बॉन्ड और अन्य संपत्तियाँ, जो किसी व्यक्ति या संस्था के स्वामित्व में होती हैं।
पोर्टफोलियो में विविधता लाने से जोखिम को प्रबंधित करने में मदद मिलती है।

टिक साइज (Tick Size):

टिक साइज़ किसी ट्रेडिंग इंस्ट्रूमेंट, जैसे स्टॉक, का न्यूनतम मूल्य आंदोलन है। यह सिक्योरिटी की कीमत में सबसे छोटा संभावित परिवर्तन निर्धारित करता है।

एवरेजिंग (Averaging):

औसतन में प्रति इकाई औसत लागत को कम करने के लिए अलग-अलग कीमतों पर अधिक संपत्ति खरीदना शामिल है। इस रणनीति का उपयोग बाजार में उतार-चढ़ाव को प्रबंधित करने के लिए किया जाता है।

बुकिंग प्रॉफिट या लॉस (Booking Profit or Loss):

लाभ या हानि बुक करना लाभ या हानि प्राप्त करने के लिए निवेश को बेचने के कार्य को संदर्भित करता है। यह उस निवेश पर निवेशक के लाभ या हानि को अंतिम रूप देता है।

क्रैश - कर्सियट्स (Crash - Circuits):

सर्किट ब्रेकर ऐसे तंत्र हैं जो पैनिक सेलिंग को रोकने के लिए एक्सचेंज पर अस्थायी रूप से ट्रेडिंग को रोकते हैं। जब कीमतें बहुत तेज़ी से गिरती हैं तो वे ट्रिगर होते हैं।

राइट इश्यू (Right Issue):

राइट्स इश्यू मौजूदा शेयरधारकों को रियायती मूल्य पर अतिरिक्त शेयर खरीदने की अनुमति देता है। यह कंपनियों के लिए अतिरिक्त पूंजी जुटाने का एक तरीका है।

स्टॉक बोनस (Stock bonus):

स्टॉक बोनस शेयरधारकों को बिना किसी अतिरिक्त लागत के दिए जाने वाले अतिरिक्त शेयर होते हैं, जो अक्सर उनके निवेश के लिए पुरस्कार के रूप में होते हैं।

स्टॉक स्प्लिट (Stock Split):

स्टॉक स्प्लिट प्रत्येक शेयर को कई में विभाजित करके कंपनी में शेयरों की संख्या बढ़ाता है। इससे शेयर निवेशकों के लिए अधिक किफायती हो जाते हैं।

एसएनपी सीएनएक्स निफ्टी 50 (SNP CNX NIFTY 50):

निफ्टी 50 एक शेयर बाजार सूचकांक है जिसमें भारत के नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के 50 सबसे बड़े और सबसे अधिक लिक्विड स्टॉक शामिल हैं। यह कई क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करता है और बाजार के प्रदर्शन का एक प्रमुख संकेतक है।

निफ्टी सीएनएक्स 100 (Nifty CNX 100):

निफ्टी 100 एक सूचकांक है जिसमें एनएसई के शीर्ष 100 स्टॉक शामिल हैं, जो भारतीय शेयर बाजार की सबसे बड़ी कंपनियों का व्यापक अवलोकन प्रदान करता है।

निफ्टी जूनियर (Nifty Junior):

निफ्टी जूनियर सूचकांक में एनएसई के 50 सबसे बड़े स्टॉक शामिल हैं जो निफ्टी 50 का हिस्सा नहीं हैं। यह मिड-कैप कंपनियों के प्रदर्शन के बारे में जानकारी प्रदान करता है।

फ्यूचर इंडेक्स (Future Index):

फ्यूचर इंडेक्स भविष्य की तारीख और पूर्व निर्धारित मूल्य पर स्टॉक इंडेक्स को खरीदने या बेचने का एक अनुबंध है। यह निवेशकों को इंडेक्स के भविष्य के आंदोलनों पर अटकलें लगाने की अनुमति देता है।

फ्यूचर कॉन्ट्रैक्ट (Future Contract):

फ्यूचर कॉन्ट्रैक्ट भविष्य की तारीख पर एक विशिष्ट मूल्य पर किसी परिसंपत्ति को खरीदने या बेचने का एक मानकीकृत समझौता है। इसका उपयोग हेजिंग या अटकलों के लिए किया जाता है।

मार्जिन (Margin):

मार्जिन किसी निवेश को खरीदने के लिए ब्रोकर से उधार लिया गया पैसा है। यह निवेशकों को अपने स्वयं के फंड से जितनी प्रतिभूतियाँ खरीद सकते हैं, उससे अधिक खरीदने की अनुमति देता है।

प्रीमियम (Premium):

प्रीमियम वह राशि है जिससे किसी परिसंपत्ति की कीमत उसके अंकित मूल्य से अधिक होती है। विकल्प ट्रेडिंग में, यह विकल्प खरीदने के लिए चुकाई गई कीमत है।

डिस्काउंट (Discount):

छूट तब होती है जब किसी परिसंपत्ति को उसके अंकित मूल्य से कम पर बेचा जाता है। यह अक्सर सौदेबाजी की तलाश में खरीदारों को आकर्षित करता है।

मार्केट लॉट (Market lot):

मार्केट लॉट किसी एक्सचेंज पर ट्रेडिंग के लिए निर्धारित शेयरों की मानक संख्या है। यह ट्रेडिंग मात्रा में एकरूपता सुनिश्चित करता है।

रोल ओवर (Roll over):

रोलओवर किसी ओपन पोजीशन की निपटान तिथि को अगली ट्रेडिंग अवधि तक बढ़ाने की प्रक्रिया है। यह वायदा और विकल्प ट्रेडिंग में आम है।

ऑप्शन (Options):

विकल्प वित्तीय व्युत्पन्न हैं जो खरीदार को एक निश्चित अवधि के भीतर एक निर्धारित मूल्य पर परिसंपत्ति खरीदने या बेचने का अधिकार देते हैं, लेकिन दायित्व नहीं।

कॉल (Call):

कॉल ऑप्शन धारक को एक निश्चित अवधि के भीतर एक निर्दिष्ट मूल्य पर परिसंपत्ति खरीदने का अधिकार देता है। इसका उपयोग तब किया जाता है जब निवेशक मूल्य में वृद्धि की उम्मीद करते हैं।

पुट (Put):

पुट ऑप्शन धारक को एक निश्चित अवधि के भीतर एक निर्दिष्ट मूल्य पर एक परिसंपत्ति बेचने का अधिकार देता है। इसका उपयोग तब किया जाता है जब निवेशक कीमत में गिरावट की उम्मीद करते हैं।

लॉन्ग पोजीशन (Long Positions):

एक लॉन्ग पोजीशन तब होती है जब कोई निवेशक इस उम्मीद के साथ एक परिसंपत्ति खरीदता है कि इसकी कीमत बढ़ेगी। निवेशक इसे बाद में लाभ के लिए बेचने की योजना बनाता है।

शॉर्ट पोजीशन (Short positions):

एक शॉर्ट पोजीशन तब होती है जब कोई निवेशक किसी ऐसी परिसंपत्ति को बेचता है जो उसके पास नहीं होती है, इस उम्मीद में कि वह इसे कम कीमत पर वापस खरीद लेगा। अगर कीमत गिरती है तो निवेशक को लाभ होता है।

एक्सपायरी (Expiry):

समाप्ति (एक्सपायरी) उस तिथि को संदर्भित करती है जब कोई व्युत्पन्न अनुबंध, जैसे कि कोई विकल्प या भविष्य, अमान्य हो जाता है। निवेशकों को इस तिथि से पहले अपनी स्थिति पर कार्रवाई करनी चाहिए।